Institution's Innovation Council (IIC)

IIC SELF DRIVEN ACTIVITY (Quarter-II)

Activity Report

1. **Title of the Activity**: Agriculture and Science Exhibition, Organic Farmers Fair, Farmers' Seminar and Livestock Exhibition
2. **Activity Category**: Self-Driven Activity (Exhibition / Expert Interaction / Outreach Activity)
3. **Date and Duration**
   Date: 12–13 February 2026
   Duration: Two Days
4. **Venue**: Janta College, Bakewar, Etawah
5. **Organizing Body:** Jointly organized by Janta College, Bakewar and Department of Agriculture, Etawah
6. **Objective of the Activity**: The objective of the activity was to establish a link between farmers, students, and scientists by providing awareness about modern agricultural techniques, organic farming, crop diversification, and innovation. The program also aimed to promote sustainable agriculture and self-reliance among farmers.
7. **Description of the Activity**: A two-day Agriculture and Science Exhibition, Organic Farmers Fair, Farmers' Seminar, and Livestock Exhibition was organized at Janta College, Bakewar on 12–13 February 2026. The program commenced with floral tribute to Goddess Saraswati followed by ceremonial lamp lighting. The Chief Guest, Dr. R.N. Singh (Deputy Director, Agriculture, Etawah), addressed the farmers and emphasized the adoption of modern scientific techniques, organic farming, and crop diversification to enhance agricultural productivity and income. The Guest of Honor, Dr. Stephen Jan (Founder, Havela Group, USA), highlighted the potential of Indian agriculture and discussed the importance of green energy and global agricultural development. The program was presided over by Dr. K.K. Dixit, who stated that such exhibitions provide practical exposure to farmers regarding new technologies, making agriculture more profitable and sustainable. The Principal of the college, Prof. (Dr.) Rajesh Kishore Tripathi, welcomed all the dignitaries and emphasized that the exhibition was not merely a display of products but a convergence of knowledge, technology, and experience, contributing towards rural

development and agricultural innovation. During the exhibition, various stalls were displayed showcasing improved seeds, organic products, soil health techniques, agricultural tools, horticulture practices, livestock management, and modern farming technologies. The participants actively interacted with experts and gained valuable insights. The Farmers' Seminar included discussions on crop disease management, pest control, and government schemes. Farmers raised their queries, which were addressed by subject experts. Around 700 participants, including farmers, students, faculty members, and stakeholders, attended the event. The program proved to be highly informative, beneficial, and inspiring.

8. **Target Audience**: Farmers, Students, Faculty Members, Agricultural Experts
9. **Number of Participants**: Approximately 700 participants
10. **Key Participation**: Agricultural scientists, faculty members, institutional representatives, and farmers
11. **Learning Outcomes**: Participants gained knowledge about modern agricultural techniques, organic farming, and government initiatives. Students developed interest in agricultural innovation and entrepreneurship.
12. **Impact Analysis**: The activity strengthened the connection between academia and the farming community. It promoted awareness about sustainable agriculture and encouraged adoption of innovative practices.
13. **SDG Mapping**
    SDG 2: Zero Hunger
    SDG 4: Quality Education
    SDG 8: Decent Work and Economic Growth
    SDG 9: Industry, Innovation and Infrastructure
14. **Outcome of the Activity**: The activity enhanced awareness about innovative agricultural practices and encouraged farmers and students towards sustainable and technology-driven farming.

Social Media Link

Face book Link: https://www.facebook.com/share/r/18ADaYu6sD/

कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी, जैविक किसान मेला, किसान गोष्ठी एवं पशु प्रदर्शनी का आयोजन

बकेवर (इटावा)। दिनांक 12–13 फरवरी 2026 को जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा एवं कृषि विभाग, इटावा के संयुक्त तत्वावधान में कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी, जैविक किसान मेला, किसान गोष्ठी एवं पशु प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. आर.एन. सिंह (उप निदेशक, कृषि, इटावा) ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों, जैविक खेती तथा फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन किसानों और वैज्ञानिकों के बीच सेतु का कार्य करते हैं।विशिष्ट अतिथि डॉ. स्टीफन जान (संस्थापक, हवेला ग्रुप, USA) ने भारतीय कृषि की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए हरित ऊर्जा एवं वैश्विक कृषि विकास के महत्व पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने भारतीय कृषि प्रणाली की तुलना अंतरराष्ट्रीय स्तर से करते हुए सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. के.के. दीक्षित ने की।उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान

प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को नवीन तकनीकों की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त होती है, जिससे खेती अधिक लाभकारी बनती है।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश किशोर त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी केवल उत्पादों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि ज्ञान, तकनीक और अनुभवों का समन्वय है, जो ग्रामीण विकास, वैज्ञानिक नवाचार, कृषि आत्मनिर्भरता तथा पशुपालन आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।कार्यक्रम में विभिन्न विभागों एवं संस्थानों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जिनमें उन्नत बीज, जैविक उत्पाद, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कृषि यंत्र, उद्यानिकी तथा पशुपालन से संबंधित तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। अतिथियों ने इन स्टॉलों का अवलोकन किया और प्रदर्शकों से जानकारी प्राप्त की।किसान गोष्ठी के दौरान विशेषज्ञों द्वारा फसल रोग प्रबंधन, कीट नियंत्रण, आधुनिक कृषि तकनीकों एवं सरकारी योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों ने अपनी समस्याएँ प्रस्तुत कीं, जिनका समाधान विशेषज्ञों द्वारा किया गया। प्रगतिशील किसानों ने भी अपने अनुभव साझा किए।इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी इटावा ओंकार सिंह, उपनिदेशक मृदा संरक्षण राजेन्द्र प्रसाद, नाबार्ड के प्रतिनिधि अरुण कुमार सिंह, बैंकिंग क्षेत्र के अधिकारी तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का माल्यार्पण, बैज अलंकरण एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज यादव द्वारा किया गया, जबकि समापन अवसर पर डॉ. एम.पी. सिंह ने सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।इस दो दिवसीय कार्यक्रम में लगभग 700 किसान, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।यह आयोजन किसानों एवं विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

Photographs

Media coverage

दिनांक 12-13 फरवरी 2026 को कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी, जैविक किसान मेला, किसान गोष्ठी एवं पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

दैनिक भास्कर
इटावा
18 शुक्रवार, 13 फरवरी 2026, देहरादून

कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी एवं जैविक किसान मेले में उमड़ा उत्साह

लगभग 700 किसानों ने लिया भाग, तकनीकी नवाचारों की सराहना

भास्कर ब्यूरो

बकेवर। जनता कॉलेज बकेवर एवं कृषि विभाग इटावा के संयुक्त तत्वावधान में कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी, जैविक किसान मेला एवं किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. आर.एन. सिंह (उप निदेशक कृषि) ने आधुनिक तकनीक, जैविक खेती और फसल विविधीकरण अपनाने पर जोर देते हुए किसानों की आय बढ़ाने की बात कही। डॉ. स्टीफन जान (हवेला ग्रुप, यूएसए) ने ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट एवं भारतीय कृषि की संभावनाओं पर विचार रखे। अध्यक्षता डॉ. के.के. दीक्षित ने की तथा प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. स्टीफन जान (हवेला ग्रुप, यूएसए) ने ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट एवं भारतीय कृषि की संभावनाओं पर विचार रखे। अध्यक्षता डॉ. के.के. दीक्षित ने की तथा प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने विभिन्न कंपनियों व कृषि विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर उन्नत बीज, जैविक उत्पाद, मृदा स्वास्थ्य, सिंचाई प्रणाली व कृषि यंत्रों की जानकारी ली। किसान गोष्ठी में विशेषज्ञों ने उन्नत खेती, कीट प्रबंधन एवं सरकारी योजनाओं पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में लगभग 700 किसानों, छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की उपस्थिति रही। अंत में संयोजक डॉ. एमपी सिंह ने आभार व्यक्त किया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

4 दैनिक जागरण कानपुर, 14 फरवरी, 2026
इटावा जागरण

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर मिला सम्मान

महिला शिक्षक संघ की अध्यक्ष कामना सिंह को सम्मानित करती पदाधिकारी • स्वयं

जागरण संवाददाता, इटावा : महिला शिक्षक संघ ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली कार्यकर्ताओं और महिलाओं को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में महिला प्रभारी श्वेता चंदेल और अर्चना बाजपेयी शामिल रहीं।

संघ की महामंत्री अर्चना चौधरी ने कहा कि संघ का उद्देश्य महिला शिक्षा को बढ़ावा देना और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। संगठन की पंचवीं वर्षगांठ की शुरुआत अतिथियों के स्वागत से हुई। अध्यक्ष कामना सिंह ने सभी को प्रशस्ति पत्र बांटे। कार्यक्रम में रेनू सिंह, मीनाक्षी पांडे, अर्चना पांडे, प्रतिभा तिवारी, मंजू लता राजपूत, सीमा यादव, सीमा चौहान, ज्योति यादव, अर्चना, कोषाध्यक्ष अनामिका पांडे, निशा मिश्रा, अर्चना ...डे ने भाग लिया।

जनता कालेज में दो दिवसीय कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी का समापन

उत्पादन और आय में वृद्धि के लिए आधुनिक खेती अपनाएं किसान

संवाद सूत्र, जागरण • बकेवर : जनता कालेज में दो दिवसीय कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी में कृषि विशेषज्ञों ने कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य में वैज्ञानिक खेती अपनाकर उत्पादन एवं आय में वृद्धि संभव है। किसानों ने अपने अनुभव साझा किए तथा वैज्ञानिकों से सीधे संवाद कर समस्याओं के समाधान प्राप्त किए।

द्वितीय दिवस पशु प्रदर्शनी में क्षेत्र के पशुपालकों ने अपनी उन्नत नस्ल के गाय, भैंस, बकरी, सांड एवं अन्य पशुओं का प्रदर्शन किया। प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों एवं पशु चिकित्सकों ने पशुओं की वैज्ञानिक पद्धति से मूल्यांकन किया। मुख्य अतिथि निदेशक लायन सफारी डा. अनिल कुमार पटेल रहे। विशेषज्ञों ने पशुपालन में संतुलित आहार, टीकाकरण, नस्ल सुधार एवं डेयरी प्रबंधन पर मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का संयोजन डा. एमपी सिंह एवं डा. आदित्य कुमार तथा कार्यक्रम का सफल संचालन डा. मनोज कुमार एवं डा. दिव्य ज्योति मिश्रा ने किया। भूमि संरक्षण अधिकारी प्रमोद कुमार, जिला उद्यान अधिकारी डा. श्याम सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष बकेवर विवेक कुमार, निदेशक पीएनबी डा. विपिन यादव तथा पूर्व डीन डा. एसके शर्मा, पशु चिकित्सा अधिकारी बकेवर डा. विनय कुमार मिश्रा, अमर सिंह, ललाराम, राम पाल सिंह राठौर रहे।

जनता कालेज में कृषि मेले में प्रतिभागी को सम्मानित करते इटावा सफारी पार्क के निदेशक अनिल पटेल व प्राचार्य राजेश त्रिपाठी • स्वयं

औद्यानिक मिशन की योजना में पंजीकरण कराएं किसान इटावा : मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना में किसान अपना पंजीकरण कराकर विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। जिला उद्यान अधिकारी श्याम सिंह ने बताया कि इस योजना में जनपद को 50 हेक्टेयर शाकभाजी, 1800 मीटर पैकिंग तथा 3 एचडीपीई वर्मीबेड का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिन किसानों ने राष्ट्रीय बागवानी विकास मिशन योजना में लाभ नहीं लिया है, वे dbt.uphorticulture.in पर अपना पंजीकरण करा कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। योजना का लाभ प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर किया जाएगा।

आश्रम पद्धति वि...

में ताला देखकर...

तनाव मुक्त होकर ...

...नों में हमेशा अमर रहेंगे अशोक दवे

दिनांक 12-13 फरवरी 2026 को कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी, जैविक किसान मेला, किसान गोष्ठी एवं पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

स्पष्ट आवाज़ — इटावा-औरैया

तकनीकों, जैविक खेती तथा फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान आय में करें वृद्धि

कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी एवं जैविक किसान मेले में उमड़ा किसानों का उत्साह

स्पष्ट आवाज

बकेवर, इटावा। जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा एवं कृषि विभाग, इटावा के संयुक्त तत्वावधान में कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी, जैविक किसान मेला एवं किसान गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. आरएन सिंह उप निदेशक कृषि, इटावा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों, जैविक खेती तथा फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कृषि मेले किसानों और वैज्ञानिकों के बीच सेतु का कार्य करते हैं। अति विशिष्ट अतिथि, संस्थापक हवेला ग्रुप, यू.एस.ए., डॉ.स्टीफन जान ने भारतीय कृषि पर चिंतन कर प्रति व्यक्ति आय बढ़ाना ग्रीन एनर्जी के प्रोजेक्ट तथा अमेरिका की तुलना करते हुए भारतीय किसानों की दशा में सुधार पर विस्तार से चर्चा की। अध्यक्षता डॉ. के.के.दीक्षित सदस्य प्रबंध समिति ने की। उन्होंने कहा कि

कृषि विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को नवीन तकनीकों की प्रत्यक्ष जानकारी मिलती है, जिससे खेती अधिक लाभकारी बनती है। संरक्षक कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने सभी अतिथियों के स्वागत करते हुए कहा कि प्रदर्शनी केवल उत्पादों का प्रदर्शन नहीं बल्कि ज्ञान, तकनीकों और अनुभवों का संगम है।कॉलेज ग्रामीण उन्नयन, वैज्ञानिक नजरिया,कृषि आत्मनिर्भरता पशुपालन आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में सतत प्रयास करता रहता है।

कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी इटावा ओंकार सिंह,उपनिदेशक मृदा संरक्षण इटावा राजेंद्र प्रसाद, अरुण कुमार सिंह डीडीएम नाबार्ड इटावा,डॉ एस एम ठेले एलडीएम इटावा एवं डॉ.आर के कनौजिया मुख्य प्रबंधक सेंट्रल बैंक आफ इंडिया,प्राचार्य तिलक महाविद्यालय औरैया डॉ.रवि कुमार,डॉ.कमान सिंह, ए.जी.एम., आर.सी.एफ. इंडिया आदि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का माल्यार्पण,बैज अलंकरण, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के पश्चात मुख्य अतिथि,अध्यक्ष एवं समस्त विशिष्ट अतिथियों ने कृषि विज्ञान प्रदर्शनी के विभिन्न कृषि विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, कृषि विभाग इटावा एवं भल्लसार प्राइवेट लिमिटेड बेंगलुरु, नीजू बिंदु, बड ग्रो, उर्वरा एग्रो बायोटेक,शक्ति सीड प्राइवेट लिमिटेड, इफ्को,बिरसा माइक्रो इरिगेशन सिस्टम,जरौली जैविक लिमिटेड,चकरनगर जैविक उत्पाद,कंपनियों के स्टॉलों का भ्रमण किया। उन्होंने उन्नत बीज,जैविक उत्पाद,फसल सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य, कृषि यंत्र, उद्यान एवं पशुपालन से संबंधित तकनीकों का अवलोकन किया तथा प्रदर्शकों से जानकारी प्राप्त की। अतिथियों ने प्रदर्शनी की गुणवत्ता की सराहना करते हुए इसे किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

किसान गोष्ठी में जिला कृषि अधिकारी इटावा ओंकार सिंह ने कृषि के न्यायसंगत, तकनीकियों एवं कृषि के विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया तथा यहां के विद्यार्थियों को भी आगे भविष्य में कैसे सफल हो इस पर भी अपने अनुभवों को साझा किया। डीन, कृषि संकाय डॉ.ए.के. पांडेय ने किसानों के विषम परिस्थितियों में कैसे उनकी आय को बढ़ाया जाए, इसके लिए उद्यान की पर विशेष उद्बोधन दिया उन्होंने बताया कि यह गंगा जमुना के बीच की जो जमीन दो आब है, अगर हम उन्नत खेती करें तो निश्चित तौर पर उत्तर प्रदेश के ही किसान पूरे इस देश को खिलाने का काम करेंगे। डॉ एसपी सिंह ने उन्नत कृषि तकनीक, जैविक खेती पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. मनोज यादव ने फसल रोग एवं कीट प्रबंधन तथा सरकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों ने अपने प्रश्न रखे, जिनका समाधान विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया। इस मौके पर उन्नतशील किसान अमर सिंह, रामप्रताप दोहरे, चंद्रभान यादव, रामनरेश गौतम आदि ने किसानों की समस्याएं एवं समाधान पर अपने अनुभवों को साझा किया।कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ.एसपी सिंह ने सभी अतिथियों,वैज्ञानिकों,किसानों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। बड़ी संख्या में किसानों की सहभागिता से आयोजन सफल एवं सार्थक रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मनोज यादव ने किया।इस मौके पर दूरस्थ स्थानों से पधारे हुई समूह की महिलाओं सहित लगभग 700 किसान,कॉलेज के प्राध्यापक,शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी एवं जैविक किसान मेले में उमड़ा किसानों का उत्साह

बकेवर (इटावा) 12 फरवरी। जनता कॉलिज, बकेवर, इटावा एवं कृषि विभाग, इटावा के संयुक्त तत्वावधान में आज कृषि, विज्ञान प्रदर्शनी, जैविक किसान मेला एवं किसान गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. आर. एन. सिंह, उप निदेशक कृषि, इटावा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों, जैविक खेती तथा फसल विविधी करण को अपनाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कृषि मेले किसानों और वैज्ञानिकों के बीच सेतु का कार्य करते हैं। अतिविशिष्ट अतिथि, संस्थापक, हवेला ग्रुप, यू.एस.ए., डॉ स्टीफन जान ने भारतीय कृषि पर चिंतन कर प्रति व्यक्ति आय बढ़ाना ग्रीन एनर्जी के प्रोजेक्ट तथा अमेरिका की तुलना करते हुए भारतीय किसानों की दशा में सुधार पर विस्तार से चर्चा की। अध्यक्षता डॉ. के. के. दीक्षित, सदस्य प्रबंध समिति ने की। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को नवीन तकनीकों की प्रत्यक्ष जानकारी मिलती है, जिससे खेती अधिक लाभकारी बनती हैकार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी इटावा ओंकार सिंह, उपनिदेशक मृदा संरक्षण इटावा राजेंद्र प्रसाद, अरुण कुमार सिंह डीडीएम नाबार्ड इटावा, डॉ एस एम ठेले, एलडीएम इटावा एवं डॉ आर के कनौजिया मुख्य प्रबंधक, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, प्राचार्य तिलक महाविद्यालय औरैया डॉ रवि कुमार, डॉ कमान सिंह, ए.जी.एम., आर.सी.एफ. इंडिया आदि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का माल्यार्पण, बैज अलंकरण, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के पश्चात मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं समस्त विशिष्ट अतिथियों ने कृषि विज्ञान प्रदर्शनी के विभिन्न कृषि विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, कृषि विभाग इटावा एवं भल्लसार प्राइवेट लिमिटेड बेंगलुरु, नीजू बिंदु, बड ग्रो, उर्वरा एग्रो बायोटेक, शक्ति सीड प्राइवेट लिमिटेड, इफ्को, बिरसा माइक्रो इरिगेशन सिस्टम, जरौली जैविक लिमिटेड, चकरनगर जैविक उत्पाद, कंपनियों के स्टॉलों का भ्रमण किया। अतिथियों ने प्रदर्शनी की गुणवत्ता की सराहना करते हुए इसे किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ एसपी सिंह ने सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। बड़ी संख्या में किसानों की सहभागिता से आयोजन सफल एवं सार्थक रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ मनोज यादव ने किया। इस मौके पर दूरस्थ स्थानों से पधारे हुई समूह की महिलाओं सहित लगभग 700 किसान, कॉलेज के प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।